कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन, बांटे गए प्रमाण पत्र

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा चलाए जा रहे पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सोमवार को प्रमाण पत्र देकर हुआ। समापन केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को फसल अवशेष प्रबंधन संबंधित कृषि यंत्र एवं उत्तर प्रदेश तथा भारत सरकार द्वारा जो भी सुविधा दी जा रही है एवं कितने परसेंट की छूट है कैसे उसको ले सकते हैं, इसके बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने फसलों के अवशेषों को जलाने से होने वाले दुष्परिणाम का मानव स्वास्थ्य मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर पढ़ने वाले प्रभाव एवं इससे बचाव के संबंध में जानकारी दी। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने बताया कि फसल के अवशेषों का प्रयोग अपने आर्थिक समृद्धि के लिए कर सकते हैं व उससे विभिन्न तरह के उत्पाद बनाएं जा सकते हैं एवं फसल के अवशेषों पर मशरूम की गुणवत्ता युक्त खेती की जा सकती है। फसल के अवशेषों को खेतों में अति शीघ्र डीकंपोज करने के लिए बायोडिकंपोजर का प्रयोग और बायोडिकंपोजर को कैसे तैयार किया जा सकता है के बारे में बताया गया। उप कृषि निदेशक राम वचन राम , जिला कृषि अधिकारी डॉ उमेश कुमार गुप्ता , कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. राजेश राय, डॉ.शशिकांत, डॉ. निमिषा अवस्थी आदि ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर किसानों को प्रशिक्षण दिया।

महानगर
वर्ष-4, अंक-155, पृष्ठः 14
मूल्यः एक रुपये

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक RNI/NO/UPHIN49792/16/4/2021

सच की अहमियत

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

संवाददाता पंकज अवस्थी

कानपुर - चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना कृषक प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का समापन हुआ समापन केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को फसल अवशेष प्रबंधन संबंधित कृषि यंत्र एवं उत्तर प्रदेश तथा भारत सरकार द्वारा जो भी सुविधा दी जा रही है एवं कितने परसेंट की छूट है कैसे उसको ले सकते हैं इसके बारे में विस्तृत रूप से पूरी जानकारी दी गई उन्होंने कहा कि फसलों के अवशेषों को जलाने से होने वाले दुष्परिणामों का मानव स्वास्थ्य मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है एवं कैसे बचा जा सके के बारे में विस्तृत जानकारी दी प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने बताया कि फसल के अवशेषों का प्रयोग अपने आर्थिक समृद्धि के लिए कर सकते हैं जैसे उसे विभिन्न तरह के उत्पाद बनाएं जा सकते हैं एवं फसल के अवशेषों पर मशरूम की गुणवत्ता युक्त खेती की जा सकती है फसल के अवशेषों को खेतों में अति शीघ्र डी कंपोज करने हेतु बायोडिकंपोजर का प्रयोग और बायोडिकंपोजर को कैसे तैयार किया जा सकता है के बारे में बताया गया उप कृषि निदेशक राम वचन राम, जिला कृषि अधिकारी डा उमेश कुमार गुप्ता, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. अरुण कुमार सिंह, डा. राजेश राय, डा. शशिकांत, डा. निमिषा अवस्थी आदि ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर किसानों को प्रशिक्षण दिया गौरव शुक्ला तथा शुभम यादव का विशेष योगदान रहा।

...किया शिलान्यास

...के अन्तर्गत वार्ड 8 ...क 19लाख 77हजार ...लिए भूमि पूजन कर ...र्गत बजरंग चौराहा से ...रस रूपये की लागत ...र्य हेतु भूमि पूजन कर ...मानक एवं गुणवत्ता ...साफ-सफाई के साथ ...दिया जा रहा है।

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

कानपुर, 24 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना कृषक प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का समापन हुआ। समापन केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को फसल अवशेष प्रबंधन संबंधित कृषि यंत्र एवं उत्तर प्रदेश तथा भारत सरकार द्वारा जो भी सुविधा दी जा रही है एवं कितने परसेंट की छूट है कैसे उसको ले सकते हैं, इसके बारे में विस्तृत रूप से पूरी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि फसलों के अवशेषों को जलाने से होने वाले दुष्परिणाम का मानव स्वास्थ्य मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर क्या प्रभाव प? रहा है एवं कैसे बचा जा सके के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने बताया कि फसल के अवशेषों का प्रयोग अपने आर्थिक समृद्धि के लिए कर सकते हैं। जैसे उसे विभिन्न तरह के उत्पाद बनाएं जा सकते हैं एवं फसल के अवशेषों पर मशरूम की गुणवत्ता युक्त खेती की जा सकती है। फसल के अवशेषों को खेतों में अति शीघ्र डीकंपोज करने हेतु बायोडिकंपोजर का प्रयोग और बायोडिकंपोजर को कैसे तैयार किया जा सकता है के बारे में बताया गया। उप कृषि निदेशक राम वचन राम , जिला कृषि अधिकारी डा उमेश कुमार गुप्ता , कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. अरुण कुमार सिंह, डा. राजेश राय, डा.शशिकांत, डा. निमिषा अवस्थी आदि ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर किसानों को प्रशिक्षण दिया। गौरव शुक्ला तथा शुभम यादव का विशेष योगदान रहा।

...र्य/झाँसी निम्नलिखित ...करते हैं।

बिरलानगर - कैलारस	
अमानत राशि	
₹ 306600.00	

...जारी होने के समय ...03.2025 को 15.00 ...दा को प्रस्तुति करने ... 349/25 FA

indianrailways.gov.in

...बाद जबरदस्त ...रोमांस एवं ...रपूर फिल्म ...लान ...श राज आदि

रेल यात्रियों/श्रद्धा...

अपने गन... पकड़ने...

विन्ध्याचल, मिर्जापुर, चुनार, ... बक्सर, पटना, गया, राँची ...

शंकरगढ़, डभौरा, मानि... झाँसी, ग्वालियर, बीना, स... रायपुर, बिलासपुर, ...

सिराथू, फतेहपुर, कान... अलीगढ़, मेरठ, ...

ऊँचाहार, रायबरेली, लखनऊ... जंघई, भदोही, जौनपुर, प्र...

ज्ञानपुर रोड, वा... बलि...

किसी भी आपात... घबराएं नहीं...

आवागमन के दौरान... को धक्का न दें और ... आगे बढ़ने ...

सुरक्षा कर्मियों के ... का ध्यानपू...

अपने साथ के छो... की जेब में घर के ... मोबाइल नंबर तथा...

सूर्यास्त 06.03
न्यूनतम 13.0
87,920
1,00,500

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 244 कानपुर, मंगलवार 25 फरवरी 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

संवाददाता पंकज अवस्थी

कानपुर - चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना कृषक प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का समापन हुआ समापन केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को फसल अवशेष प्रबंधन संबंधित कृषि यंत्र एवं उत्तर प्रदेश तथा भारत सरकार द्वारा जो भी सुविधा दी जा रही है एवं कितने परसेंट की छूट है कैसे उसको ले सकते हैं इसके बारे में विस्तृत रूप से पूरी जानकारी दी गई उन्होंने कहा कि फसलों के अवशेषों को जलाने से होने वाले दुष्परिणामों का मानव स्वास्थ्य मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है एवं कैसे बचा जा सके के बारे में विस्तृत जानकारी दी प्रशिक्षण में वैज्ञानिकों ने बताया कि फसल के अवशेषों का प्रयोग अपने आर्थिक समृद्धि के लिए कर सकते हैं जैसे उसे विभिन्न तरह के उत्पाद बनाएं जा सकते हैं एवं फसल के अवशेषों पर मशरूम की गुणवत्ता युक्त खेती की जा सकती है फसल के अवशेषों को खेतों में अति शीघ्र डी कंपोज करने हेतु बायोडिकंपोजर का प्रयोग और बायोडिकंपोजर को कैसे तैयार किया जा सकता है के बारे में बताया गया उप कृषि निदेशक राम वचन राम, जिला कृषि अधिकारी डा उमेश कुमार गुप्ता, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. अरुण कुमार सिंह, डा. राजेश राय, डा. शशिकांत, डा. निमिषा अवस्थी आदि ने पांच दिवसीय प्रशिक्षण में फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर किसानों को प्रशिक्षण दिया गौरव शुक्ला तथा शुभम यादव का विशेष योगदान रहा।

अमर भारती
एक उम्मीद
श, 06 संस्करण
: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com मंगलवार, 25 फरवरी 2025 शक सम्वत् 1946, फाल्गुन कृ

कवि क
-सुनहरी ल
किसी को दाल
किसी को भाव
किसी का इश्
किसी को पुष्

पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना कृषक प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का समापन हुआ। समापन केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को फसल अवशेष प्रबंधन संबंधित कृषि यंत्र एवं उत्तर प्रदेश तथा भारत सरकार द्वारा जो भी सुविधा दी जा रही है एवं कितने परसेंट की छूट है कैसे उसको ले सकते हैं, इसके बारे में विस्तृत रूप से पूरी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि फसलों के अवशेषों को जलाने से होने वाले दुष्परिणाम का मानव स्वास्थ्य मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। एवं कैसे बचा जा सके के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन योजना कृषक प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र देकर कार्यक्रम का समापन हुआ। समापन केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. अजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को फसल अवशेष प्रबंधन संबंधित कृषि यंत्र एवं उत्तर प्रदेश तथा भारत सरकार द्वारा जो भी सुविधा दी जा रही है एवं कितने परसेंट की छूट है कैसे उसको ले सकते हैं, इसके बारे में विस्तृत रूप से पूरी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि फसलों के अवशेषों को जलाने से होने वाले दुष्परिणाम का मानव स्वास्थ्य मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। एवं कैसे बचा जा सके के बारे में विस्तृत जानकारी दी।